

नास्टमा कम्प्युटर
इन्जिनियरिङ,
बिसिनेस, बिसिनेस
र सिभिल
इन्जिनियरिङका साथै
अब MBA पनि ।

नास्ट कलेज
धनगढी-४, उत्तरबेहडी, कैलाली
सम्पर्क नं. ०९१-५२३३१२
९८५८४८७१२५

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पाहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २२ अंक २९४ वि.सं. २०८२ जेठ ०१ गते बिफे थारु सम्वत (२६४८) [Thursday 15 May 2025] (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

पाठेघर मुखके क्यान्सरके नमूना संकलन

ऐन हाली बनैना प्रदेश सरकारहे आग्रह

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ३१ बैशाख । कैलाली जिल्लाके कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर १ मनाउँमे आधारभुत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रमे पाठेघरके मुखके क्यान्सर नमुना संकलन (स्क्रीनिङ) कैगिल बा ।

कैलारी गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखाके समन्वय तथा स्वास्थ्य कार्यालय कैलालीके आयोजनामे एचपीभी, डिएनए टेष्ट मार्फत पाठेघरके मुखके क्यान्सरके नमूना संकलन (स्क्रीनिङ) कार्यक्रम कैगिल हो ।

पाठेघरके मुखके क्यान्सरके स्क्रीनिङ कार्यक्रमके उदघाटन कैलारी गाउँपालिकाके उपाध्यक्ष भगवतीकुमारी चौधरी करल रहित । उदघाटन कार्यक्रममे सम्बोधन करटी उहाँ महिलाहुकनसे घरपरिवार, समाजमे दोहरो टेहरो भूमिका निभाई पर्ना ओ स्वास्थ्य समस्यासे गुज्जटी रहल बटैली । उहाँ कहली, 'महिलाहुके बच्चनहे जलम डेनासे लेके हुरकैना, घरके सक्कु काम करेपर्ना ओरसे पाठेघरके समस्या हुइठ । समयमे चेकजाँच नैहुइलेसे क्यान्सरफे हुई सेकठ ।

ग्रामीण भेगके महिलाहुके समय समय पाठेघरके चेकजाँच कराई परठ कना चेतना नैरना ओ आर्थिक अभावके कारण पाठेघरके समस्या भोगटी आइल गाउँपालिका उपाध्यक्ष बटैली ।



कैलारी गाउँपालिका वडा नम्बर १ मनाउँमे आधारभुत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रमे पहिल रोज मंगरके हुइल पाठेघरके मुखके क्यान्सर स्क्रीनिङमे १२२ जाने चेकजाँच कराइल केन्द्रके प्रमुख कुसुम चौधरी जनैले ।

पाठेघरके मुखके क्यान्सर स्क्रीनिङ शिविरमे बुधके रोज ६५ कैके जम्मा १८७ सेवा लेहल रहित । जारी रहल उहाँ जनैले । पाठेघरके मुखके क्यान्सर स्क्रीनिङ कार्यक्रममे स्वास्थ्य कार्यालय कैलाली, कैलारी गाउँपालिका स्वास्थ्य शाखाके प्रतिनिधि ओ मनाउँमे

आधारभुत स्वास्थ्य सेवा केन्द्रमे कार्यरत रहल स्वास्थ्यकर्मीहुकनके सहभागिता रहल बा ।

ओस्टेक गौरीगडा नगरपालिकामे एकीकृत प्रजनन रूग्णता कार्यक्रम कैगिल बा ।

पाठेघरके मुखके क्यान्सर स्क्रीनिङमे एचपीभी डिएनए विधिसे ३ सय १३ जाने सेवा लेहल बटै कलेसे भिया विधिसे ७ सय ७६ जाने सेवा लेहल बटै ।

ओम्ने स्तन स्तन क्यान्सर स्क्रीनिङ ७ सय ७७, आड खसल स्क्रीनिङ ७

सय ६७, आड खसल महिला २४ जाने सेवा लेहल रहित ।

रिङ्ग पेसरी सेवा २१ जाने, यौनरोग तथा सामान्य उपचार ४ सय २३ जाने, औषधी वितरण ८ सय ६२, प्रेषण सेवा २२ जाने लेहल गौरीगंगा नगरपालिका स्वास्थ्य शाखा जनैले बा ।

ओस्टेक करके स्वास्थ्य कार्यालय कैलालीके आयोजनामे धनगढी उपमहानगरपालिकासँगके समन्वयसे धनगढी उपमहानगर १८ मेफे एचपीभी डिएनए विधिसे पाठेघरके मुखके क्यान्सर स्क्रीनिङ कैगिल बा ।

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ३१ बैशाख । कर्मचारी आन्दोलित हुइल बेला धनगढी उपमहानगरपालिकासे स्थानीय सेवा ऐन हाली जारी कैना प्रदेश सरकारहे आग्रह करले बावै ।

नगर प्रमुख गोपाल हमाल मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाहहे ध्यानाकर्षणपत्र पठैटी ऐन हाली बनैना आग्रह करल हुइठ । विचाराधीन अवस्थामे रहल ऐनहे हाली जारीके लाग स्थानीय तहमे कार्यरत कर्मचारी दबाबमूलक आन्दोलन कैटी आइल बटै ।

कार्यालयके कामकाज छोरके कर्मचारी आन्दोलनमे उटरलपाछे प्रदेशके सक्कु स्थानीय तहमे सेवा प्रवाहमे समस्या देखल बावै । कर्मचारी आन्दोलनसे कार्यालयके कामकाज ओ सेवा प्रवाहमे समस्या हुइल कहटी नगर प्रमुख हमाल कानुनी प्रक्रिया हाली पूरा कैके ऐन जारी कैना आग्रह करल हुइठ । सुदूरपश्चिम प्रदेश स्थानीय सेवाके गठन, सञ्चालन ओ सेवाके सर्त सम्बन्धमे व्यवस्था कैना बनल विधेयक गत जेठ १३ गते प्रदेश सभामे प्रस्तुत हुइल रहे । यी विधेयक एक बरससे प्रदेश सभामे थन्कल बावै ।

लागु औषधसहित ६ जाने पक्राउ

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ३१ बैशाख । कैलाली ओ कञ्चनपुरके अलग अलग ठाउँसे अवैध लागु औषधसहित ६ जाने पक्राउ परल बटै ।

कैलालीके धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं. ०१ पशुपती टोलस्थितसे दुई जाने पक्राउ परल बटै ।

वडा प्रहरी कार्यालय धनगढी कैलाली ओ लागु औषध ब्यूरो शाखा कार्यालय धनगढीसे खटके गैल संयुक्त प्रहरी टोली लागु औषधसहित दुनु जनहनहे पक्राउ करल हो ।

पक्राउ परलमे भारतके उत्तर प्रदेश

घर रहल हाल जिल्ला कैलाली धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं. ०१ बैठना वर्ष ४१ के पप्पु खान, वर्ष २९ के मुजमिल अन्सारी रहल बटै ।

विशेष सूचनाके आधारमे जिल्ला कञ्चनपुर, भीमदत्त न.पा.११ भुजेलस्थित वडा-५ बैठना वर्ष २७ के अनिल पहरिसे चलाइल डि.एल. ४ एच.बि. २६१३ नम्बरके भारतिय मोटरसाइकलहे शंका लागके चेकजाँच करेबेर १ ग्राम लागूऔषध खैरो हेरोइनसहित पक्राउ परल बटै ।

मोटरसाइकल पाछे सवार उहे ठाउँ बैठना वर्ष २२ के (बाँकी २ पेजमे)

अस्थायी राजधानीहे स्थायी बनैना कसरतमे सुदूरपश्चिम सरकार



पहुरा समाचारदाता
धनगढी, ३१ बैशाख । सबसे पहिले नाउँ ओ स्थायी राजधानी टोकना क्रममे सात प्रदेशमध्ये दुसरामे रहे, सुदूरपश्चिम प्रदेश । कर्णालीहे पछ्याइटी तत्कालीन ७ नम्बर प्रदेशसे १२ कुँवार २०७५ मे प्रदेशसभाके दुईतिहाइ बहुमतसे कैलालीके गोदावरी नगरपालिका २ ओ ४ नम्बरके वन क्षेत्रहे प्रदेश राजधानी ओ नाउँ सुदूरपश्चिम रख्ना प्रस्ताव पारित करल रहे । दुईतिहाइ बहुमत अर्थात् ३८ जाने प्रदेशसभा सदस्यसे गोदावरी राजधानी ओ सुदूरपश्चिम नाउँ रख्ना प्रस्तावके पक्षमे मतदान करल रहित ।

उक्त प्रस्तावके पक्षमे नेकपा माओवादी केन्द्र, नेकपा एमाले ओ एकीकृत समाजवादीके प्रदेशसभा सदस्य मतदान करल रहित । तत्कालीन प्रमुख प्रतिपक्षी दल नेपाली कांग्रेसके १२ ओ राष्ट्रिय जनता पार्टी नेपालके दुई सांसद मतदान प्रक्रियामे सहभागिता जनाइल नैरहित ।

राजधानी गोदावरी टोकल साढे ६ बरस बिटसेकल बावै । मने, राजधानी स्थापनाके लाग गोदावरीके जग्गासमेत प्रदेश सरकारसे प्राप्त करे सेकल नैहो । हुइना टे प्रदेशसभाके आधेक कार्यकालमे

गोदावरीमे राजधानी स्थापना कैना ढेर प्रक्रिया आधे बहाइल रहे । पूर्वाधार विकासके लाग बजेट फेन छुट्याइल रहे । मने, संघीय सरकारसे वन क्षेत्रके जग्गाके स्वामित्व नैहुइलपाछे राजधानी स्थापना अब्बेसम फेन अलपत्र बावै ।

तत्कालीन मुख्यमन्त्री त्रिलोचन भट्ट नेतृत्वके सरकारसे गोदावरी क्षेत्रके सम्भाव्यता अध्ययन कैटी जग्गा प्राप्तिके प्रक्रिया आधे बहाइल रहे । वहाँ तेघरी सामुदायिक वनके ३४१ हेक्टर क्षेत्रफल आवश्यक देखल रहे । उक्त जग्गा प्राप्तिके लाग किता नम्बर, ब्लू प्रिन्ट, नक्सा, स्केचसहित कागजपत्र तयार पारल रहे । प्रदेश सरकारसे वन ऐन बनाके सम्भाव्यता अध्ययनसमेत पूरा कैके संघीय सरकारहे फाइल पठासेकल रहे ।

प्रदेशसभाके अब्बेक कार्यकालमे बनल चार सरकारसे फेन घरी घरी गोदावरीके जग्गा माग करले बटै । मने, संघीय सरकारसे जग्गाके स्मामित्व हस्तान्तरण करले नैहो । राजधानी घोषणाके साढे ६ बरससम फेन जग्गा नैपाइल प्रदेश सरकार गोदावरीके विकल्प खोज्ना बटैटी आइल बावै । मुख्यमन्त्री कमलबहादुर शाह आधेक कार्यकाल ओ अब्बेक कार्यकालमे

घरी घरी गोदावरीके जग्गा नैपाके राजधानीके विकल्प खोज्ना बटैले बटै ।

मुख्यमन्त्री शाह फेनसे एकचो गोदावरीके जग्गा उपलब्ध करैना प्रधानमन्त्री केपी शर्मा ओलीहे आग्रह कैना बटैले । 'मै अब्बे काठमाडौं बटु, ओकर लाग प्रधानमन्त्रीज्यूसे भेटघाटके कार्यक्रम बावै,' मुख्यमन्त्री शाह कहलै, 'राजधानीके विषयमे फेन बात हुइ । गोदावरीके जग्गा उपलब्ध नैहुइल कलेसे टे विकल्प खोजे परी ।' मुख्यमन्त्री शाह गोदावरीके जग्गा नैपाके आव सुरु हुइना प्रदेशसभाके अधिवेशनमे राजधानीके विकल्पबारे छलफल आधे बहैना बटैले ।

गोदावरीके विकल्पके रूपमे अब्बे अस्थायी राजधानी धनगढीहे हेरे लागल बावै । अब्बे मुख्यमन्त्री तथा मन्त्रिपरिषद्के कार्यालय रहल क्षेत्र आसपासके १३ बिघा जग्गामे स्थायी राजधानी बनैना विषयमे छलफल सुरु हुइल सुदूरपश्चिमके एक मन्त्री बटैले । उ सम्भव नैहुइलेसे गोदावरी नगरपालिका ओ धनगढी उपमहानगरपालिकाके मध्य भाग गेटा आसपासके क्षेत्रमे राजधानी बनैना विषयमे फेन छलफल हुइल सत्ताछद्द दलके एक प्रदेशसभा सदस्य बटैले ।

'मध्य भागमे राजधानी बनाइबर स्थायी राजधानी टोकल गोदावरीके नागरिक फेन रुष्ट नैहुइही,' उ प्रदेशसभा सदस्य कहलै, 'अस्थायी राजधानी टोकल धनगढीके नागरिक फेन खुसी हुइही । जुनु शहर मिलके भविष्यमे महानगर बन्ना सम्भावना फेन बावै ।' स्थायी राजधानी सारक लाग प्रदेशसभामे दुईतिहाइ बहुमत आवश्यक रहट् । अब्बे सुदूरपश्चिममे कांग्रेस, एमाले ओ नागरिक उन्मुक्तिके सरकार बावै । तीन दल मिललपाछे दुईतिहाइ पुगट् ।

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराइड विभाग

उपचार हुने रोगहरु

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुस्ले, पेट दुस्ले समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुस्ले तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ८ देखि साँझ ५ बजेसम्म)

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

९ (राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) ७ सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सठपाढक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सठपाढक : राम दहित (९८४८४९४४१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुँठा सठपाढक : कृष्णराज सर्वहारी

कागुली सल्लाहकार : अधिवक्ता जोहारीलाल चौधरी

व्यवस्थापन सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: धन.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८२६४१६०१)

हसुलिया शाखा: नरेन्द्र चौधरी (९८४८५४३०३६)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

अवैध नदीजन्य पदार्थ उत्खननमे संलग्न ९ ट्याक्टर प्रहरी नियन्त्रणमे

पहुरा समाचारदाता
डाड, ३१ वैशाख । इलाका प्रहरी कार्यालय भालुवाडसे राप्ती लडियासे अवैध नदीजन्य पदार्थ उत्खननमे संलग्न ९ ठो ट्याक्टरहे नियन्त्रणमे लेहल बा । बुधके सकारे साढे ३ बजेके समयमे राप्ती गाउँपालिका-१ ओ गढवा गाउँपालिका-१ स्थित राप्ती लडिया किनारसे अवैध रूपमे मिस्कट बालु लोड करटी करल ९ ठो ट्याक्टरसहित चालकहे समेत प्रहरी नियन्त्रणमे लेहल हो । प्रहरी निरीक्षक पुस्करसिंह ऐरीके नेतृत्वमे खटल टोली रातके समयमे विशेष गस्ती कैना क्रममे उ ट्याक्टरहे नियन्त्रणमे लेहल हो । नियन्त्रणमे लेहल ट्याक्टरमे लु ३ त ६१६०, रा १ त २१२१, लु ४ त १२२५, रा १ त ५०५३, लु ४ त १६१०, रा १ त ३९०९, लु ३ त ३८७८, रा १ त ४१४० ओ ना ७ त ५६८७ नम्बरके ट्याक्टर रहल बटै । प्रहरीके अनुसार नियन्त्रणमे लेहल ट्याक्टर अवैध रूपमे बालु उत्खनन् ओ ढुवानीमे संलग्न रहल रहिट । चालकहकनहे पक्राउ करके आवश्यक अनुसन्धान तथा कानुनी कारबाहीके प्रक्रिया आधे बढाइल जिल्ला प्रहरी कार्यालय दाङ जनैले बा । प्रहरीसे यैसिन अनधिकृत गतिविधिसे वातावरण, लडिया प्रणाली तथा स्थानीय संरचनामे गम्भीर असर पर्ना हुइल ओरसे नियमित गस्ती ओ निगरानीहे आउर कडाइके साथ अमधे बहैना बताइल बा ।

लागु औषधसहित...

आकाश लुहारसमेत दुनु जनहनहे लागु औषध नियन्त्रण व्युरो शाखा कार्यालय महेन्द्रनगर ओ इलाका प्रहरी कार्यालय गड्डाचौकी, कञ्चनपुरसे संयुक्त रूपमे खटल प्रहरी टोली नियन्त्रणमे लेहल बा । ओस्टेक करके कञ्चनपुर भीमदत्त न.पा.११ गड्डाचौकी होल्डिङ सेन्टर ७ नम्बर पिल्लर स्थित वडा नम्बर ६ बैठना वर्ष २४ के रविन्द्र चन्दसे चलाइल

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ बडहरा कित्ता नं. १९५ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री बसन्तीकुमारी शाहीले यस उपमहानगरमा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबैत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पूर्व: जयन्ती महारा

पश्चिम: सोनुराम चौधरी

उत्तर: सडक

दक्षिण: मोहन धामी र लक्ष्मीदेवी सिंह

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

दश चालक बना सक्नु सैद्धान्तिक तथा व्यावहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता आपनके

सीप सिक्की, स्वरोजगार बनी विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुकनहे विशेष छुटसहित... हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहकनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ डाईभिड सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।

नोट: साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्नु तिकाह विद्यार्थीहकनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।

धनगढी, चटकपुर कैलाली फोन. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनमे लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेकि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पकि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ ।

-सम्पादक

आगामी आर्थिक वर्ष २०८२-८३ के बजेट तर्जुमा हुइटि बा । बजेट वास्तविक नैरल, सामाजिक यथार्थसे बाहिरे लागल ओ समष्टिगत तहके वित्तीय अनुशासन कायम नैरहल बाट वित्तविज्ञ, बजेट निर्माता तथा लाभग्राहीसे अडिटि बा । बजेटमार्फत घोषित नीतिहे बजेटसे समर्थन करले नैहो । बजेटके अभिन्न सहयोगी मौद्रिक नीतिसे बजेटके अन्त्यहे सम्मति डेले नैहो । आर्थिक नीतिके भावनाहे बजेट तथा मौद्रिक नीतिसे ठम्याइ भर आर्थिक समृद्धिके लक्ष्य धकेलटि जाइठ । यी अवस्थामे बजेटहे वास्तविक ओ कार्यान्वयनयोग्य बनैनाके विकल्प नैहो, जेकर लाग बजेट व्यवस्थापनके पात्रसे बजेट चक्रके सब पक्षमे प्रभावकारी भूमिका खेले परठ ।

बजेट चक्रके प्रमुख चरण तयारी, विधायन, कार्यान्वयन ओ जवाफदेहिता मूल्यांकन हो । यी सब चरणहे संवैधानिक प्रक्रिया, बजेट व्यवस्थापनके सिद्धान्त ओ जनभावना अनुरूप बनैना पात्रहुके स्रोत समिति, राष्ट्रिय योजना आयोग, विषयगत मन्त्रालय-सचिवालय, अर्थ मन्त्रालय, संघीय संसद् ओ महालेखा परीक्षक हुइट् । नागरिक समाज ओ विषयविज्ञसमेत सुझाव, पृष्ठपोषण ओ पहरेदारीमे रहटै । कुछ लोकतान्त्रिक मुलुकमे सिटिजन बजेटिङके अभ्यास फेन हुइ लागल बा । नेपालमे भर सिटिजन बजेटिङ ओ नागरिक विवेचना पद्धतिके अभ्यास हुइ सेकल नैहो । एक दशकआधे सीमित रूपमे मोडेल बजेट प्रस्तुत कैके सांकेतिक रूपमे सरकारके ध्यानाकृष्ट करना चलन फेन अब्बे नैहो । यसर्थ बजेट पात्रसे प्रभावकारी भूमिका खेलके बजेटहे वास्तविक, कार्यान्वयनयोग्य, आर्थिक-सामाजिक वास्तविकताबोधी ओ न्यायमुखी बनैनाके विकल्प नैहो । बजेटहे वास्तविक बनैना कामके सुरुवात राष्ट्रिय योजना आयोगके नेतृत्वके स्रोत समितिसे सुरु हुइठ । नेपालके संविधानके भाग १० ओ धारा १२५ अनुसार तर्जुमा हुइल आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ ओ आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ से आयोग ओ समितिहे महत्वपूर्ण जिम्मेवारी डेले बा । समितिके प्रभावकारितामे किल बजेटके जग वास्तविक बनठ । आयोगके उपाध्यक्षके संयोजकत्वमे रहना समितिमे आयोगके समष्टिगत वित्तीय क्षेत्र हेरना सदस्य, महालेखा नियन्त्रक, अर्थ सचिव ओ नेपाल राष्ट्र बैंकके गभर्नर रहटै । यी प्राविधिक समितिमे नीति योजनाके नेतृत्व करना आयोग, राजस्व परिचालनके नेतृत्व करना अर्थ मन्त्रालय, सञ्चित कोष सञ्चालनमार्फत खर्चके नेतृत्व करना महालेखा नियन्त्रक ओ मौद्रिक नीति सञ्चालक ओ वित्तीय क्षेत्रके नियामक नेपाल राष्ट्र बैंक रहल ओरसे आर्थिक नीतिके सब पक्षमे समिति ध्यान डेहे कना हो । समितिसे अन्तर्राष्ट्रिय आर्थिक स्थितिके आकलन, मुलुकके समष्टिगत आर्थिक स्थितिके विश्लेषण, बाह्य स्रोत परिचालनके स्थिति विश्लेषण, आन्तरिक साधनके परिचालन स्थिति विश्लेषण, आर्थिक अवस्था (उत्पादन,

राजस्वके क्षेत्रगत पहिचान, क्षमता परिचालनमार्फतके बक्यौता असुली, कर परीक्षण ओ करिब ४० प्रतिशत अर्थतन्त्रमे नैडेखाइल छाया भागहे राजस्वके आधार मन्ना मेरक राजस्वके आयतन निर्धारण करल नैहो । खर्च पुनरवलोकनके प्रतिवेदनसे करिब ४० प्रतिशत अर्थतन्त्र अभिलेखमे नैरहल देखाइल बा । यी आधारसे हालके १२ सय अर्बके राजस्वहे १७-१८ सय अर्ब रूपियाँमे पुगाइ सेवना डेखाइठ । साथे विधायन चरणमे प्रमुख भूमिका संसद्के रहठ । नेपालके बजेट कार्यकारी प्रकृतिके रहल ओरसे बजेट प्रस्तावमे संसदीय अनुमोदन किल खोजठ ताकि अपन डेहल स्वीकृतिके आधारमे संसद्/संसदीय समितिसे सरकारउप्पर दृष्टिगोचर करे सेके । कुछ वर्षसे पूर्वबजेट छलफलके प्रयाससे नीति प्राथमिकतामे संसदीयके धारणा समावेश करना सैद्धान्तिक थालनी हुइल बा । यी संक्षिप्त औपचारिकताके प्रक्रियाहे विस्तृत करना प्रयास गैल वर्षसे हुइलमे चालु वर्षसे पुनः विगतके अवस्थामे जैना मेरिक कानुन संशोधन हुइल बा । संसदीय प्रक्रियामे छलफलके क्रममे प्रस्तावके औचित्य, विगतके उपलब्धि ओ प्रस्तावके विवेचना, सरकारके क्षमताके विवेचना, बजेटके मान्य सिद्धान्त ओ प्रस्तावके मूल्यांकन कैके अनुमोदन करना कार्यान्वयनके क्रममे पारित बजेटके दृष्टिगोचर सक्रियता देखैना आवश्यक बा । मने संसदीय प्रक्रिया राजनीतिक औपचारिकतामे जैना ओ अपन चुनाव क्षेत्र केन्द्रित विनियोजनमे रहना करल बा । तेसर चरण कार्यान्वयन हो । संसदीय स्वीकृति पाइल वार्षिक कार्यक्रममे सम्बद्ध निकाय अप्पनी प्रस्तुत करल क्रियाकलाप कार्यान्वयन करटै । आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐनसे कार्यान्वयनके जिम्मेवार व्यक्तिके रूपमे मन्त्री, लेखा उत्तरदायी अधिकृत (सचिव) ओ जिम्मेवार व्यक्ति (खर्च पदाधिकारी) हे तोकल बा कलेसे अर्थ मन्त्रालय तथा योजना आयोगहे सहजकर्ता मानल बा ।

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोलर मुर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहवी ।

नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।

प्रो.रमेश चौधरी

केभी मासु पसल

बेयावेहडी चौक, धनगढी कैलाली शाद उर्मावि लगे मो. ९८११६३५६८०

एक्जुलेन्स नम्बर ९८३५६८९९७०, ९८३५६८९९७०९८, ९८१५६८०८०५६, ९८१५६८०००६८, ९८१५६८०९८५५

प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२९३०१ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५०,१०० वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९३९९,११०

ईप्राका अतरीया ०९१-५४०१२२ त्रिनागर प्रहरी चौकी ०९१-५२९१८३ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५३ ईप्राका मसुरिया ०९१-५०२०१४ ईप्राका चौमाला ०९१-६९३५७१ ईप्राका लम्की ०९१-५४०१९९ ईप्राका भजनी ०९१-५८०१९९ ईप्राका सुखड ०९१-५२९१६६ ईप्राका मालाखेती ०९१-५४०१२२ ईप्राका फल्चे ०९१-६०३३३० ईप्राका हसुलिया ०९१-५२९१४५ ईप्राका पाण्डौन ९७४९०१४९०४ सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९३०६ ईप्राका टीकापुर०९१-५६०१९९ स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८ बैंक नेपाल राष्ट्र बैंक ०९१-२९३३२ नवजिवन बैंक ०९१-५२३६५३ कृषि विकास बैंक ०९१-५२९३३५ मालिका विकास बैंक०९१-५२३७३८ बैंक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६ बैंक अफ एसिया ०९१-५२५६५०

नेपाल बलादेश बैंक ०९१-५२९०८५ सिटिजन बैंक ०९१-५२७४८५ कुमारी बैंक ०९१-५२६०३८ सनराईज बैंक ०९१-५२७८५० नेपाल इन्नेसमेन्ट बैंक०९१-५२३७०६ एनएमडी बैंक लि.०९१-५२९३९६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-५२९१०१ जिल्ला विकास .०९१-५३३५६० नगरपालिका .०९१-५२९४३९ मालपोत.०९१-५२९२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०३ कृषि विकास .०९१-५२३६५५, भूमि सुधार.०९१-५२९३३५ जिल्ला हुलाक.०९१-५२९१५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५ अस्पताल सेती अञ्चल.०९१-५२९२७१ नवजिवन ०९१- ५२९३३३/५२९७३३ विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३६३५ पदमा धनगढी ०९१-५२७३५५ सेवा लिमिटेड होम अतरीया ०९१-५४०७१७ एक्जुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१ घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७ टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०

दमकल १०१ नेपाल रेडक्रस सोसाइटी ०९१-५२९३३३ कैलाली उ.बा.संघ ५२९३३३, ५२३९७१ एम्बुलेन्स : ५२९६०० सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४५५७५४० विद्युत : ५२९१४५ दिनेश मेटल ०९१-५२९३९२ होटल डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२७९३१ जगदम्बा०९१-५३५९००, बिहार०९१-५३३२७३ तरुण ०९१-५२४६९३, सनलाट०९१-५२९३३६ वर्ल्ड लिंक धनगढी : ५२०५११ बालुवाजो०९१-५२२८३०/५२७९१० नेपाल पत्रकार महासंघ : ५२७१२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९३२३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९१२ ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९०७९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२७९५५ नेकापा (एमाले) कार्यालय : ५२७९०४ बसपार्क कागडर धनगढी : ०९१-५२९३५२ एफ.एम. दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६०७१

बजेट चक्रके चरण

राजस्वके क्षेत्रगत पहिचान, क्षमता परिचालनमार्फतके बक्यौता असुली, कर परीक्षण ओ करिब ४० प्रतिशत अर्थतन्त्रमे नैडेखाइल छाया भागहे राजस्वके आधार मन्ना मेरक राजस्वके आयतन निर्धारण करल नैहो । खर्च पुनरवलोकनके प्रतिवेदनसे करिब ४० प्रतिशत अर्थतन्त्र अभिलेखमे नैरहल देखाइल बा । यी आधारसे हालके १२ सय अर्बके राजस्वहे १७-१८ सय अर्ब रूपियाँमे पुगाइ सेवना डेखाइठ । साथे विधायन चरणमे प्रमुख भूमिका संसद्के रहठ । नेपालके बजेट कार्यकारी प्रकृतिके रहल ओरसे बजेट प्रस्तावमे संसदीय अनुमोदन किल खोजठ ताकि अपन डेहल स्वीकृतिके आधारमे संसद्/संसदीय समितिसे सरकारउप्पर दृष्टिगोचर करे सेके । कुछ वर्षसे पूर्वबजेट छलफलके प्रयाससे नीति प्राथमिकतामे संसदीयके धारणा समावेश करना सैद्धान्तिक थालनी हुइल बा । यी संक्षिप्त औपचारिकताके प्रक्रियाहे विस्तृत करना प्रयास गैल वर्षसे हुइलमे चालु वर्षसे पुनः विगतके अवस्थामे जैना मेरिक कानुन संशोधन हुइल बा । संसदीय प्रक्रियामे छलफलके क्रममे प्रस्तावके औचित्य, विगतके उपलब्धि ओ प्रस्तावके विवेचना, सरकारके क्षमताके विवेचना, बजेटके मान्य सिद्धान्त ओ प्रस्तावके मूल्यांकन कैके अनुमोदन करना कार्यान्वयनके क्रममे पारित बजेटके दृष्टिगोचर सक्रियता देखैना आवश्यक बा । मने संसदीय प्रक्रिया राजनीतिक औपचारिकतामे जैना ओ अपन चुनाव क्षेत्र केन्द्रित विनियोजनमे रहना करल बा । तेसर चरण कार्यान्वयन हो । संसदीय स्वीकृति पाइल वार्षिक कार्यक्रममे सम्बद्ध निकाय अप्पनी प्रस्तुत करल क्रियाकलाप कार्यान्वयन करटै । आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐनसे कार्यान्वयनके जिम्मेवार व्यक्तिके रूपमे मन्त्री, लेखा उत्तरदायी अधिकृत (सचिव) ओ जिम्मेवार व्यक्ति (खर्च पदाधिकारी) हे तोकल बा कलेसे अर्थ मन्त्रालय तथा योजना आयोगहे सहजकर्ता मानल बा ।

न्यूनपतिके लाग वैदेशिक सहायता (ऋण तथा अनुदान) के आकलनमे चालु सम्झौता ओ क्रममे रहल प्रतिबद्धताहे आधार मानल बा । सहायता उपयोगके क्षमता, सहायताहे राष्ट्रिय प्राथमिकतामे आबद्ध करना, राष्ट्रिय प्रणालीसे किल परिचालन करना, सहायता उपयोगके क्षमता एवं ऋण तथा अनुदान लेना राष्ट्रिय मनक अवलम्बनके विषयमे ध्यान डेना मेरिक नैहो । साथे आन्तरिक ऋणसे बाह्य ऋणहे नैछिन्ना ओ पुँजीगत विनियोजनके आकार वित्तीय व्यवस्थाके विनियोजनसे कम्तीमे फेन भारी बनैना दृष्टिकोण चाहठ । योजना आयोग, अर्थ मन्त्रालय ओ विषयगत मन्त्रालय/सचिवालयसे यी विषयहे गहन रूपमे लेना सामर्थ्य देखाइ परठ । यिहे चरणमे विनियोजन न्यायके अवलम्बन करे परठ । कौनो जिल्लाके लागतमे औरे जिल्लामे विकास निर्माणमे विनियोजन हुइना व्यावहारिक, न्यायिक ओ नैतिक दृष्टिसे उचित नैरहठ । नीति

विचार

गोपीनाथ मैनाली

प्रभावी स्थानके आयोजनामे ढेर आयोजना ढरना, बजेट कार्यान्वयनके समयमे रकमान्तर कैके विनियोजन सरना ओ बहुवर्षीय योजनाके नाममे आगामी कुछ वर्षमे रकम धावा बोल प्रवृत्ति हटैना विनियोजन न्यायके सिद्धान्त अभ्यासमे नाने परठ । साथे प्राविधिक रूपमे छलफलके निष्कर्ष साथ बजेटहे लैंगिक, रणनीतिक, जलवायु परिवर्तन, दिगो विकास ओ प्राथमिकता कोडके साथ सरकारके नीति ओ बजेटके आबद्धता हेरे परठ । सम्बन्धित मन्त्रालय/सचिवालयके ज्ञान तथा तथ्यांक आधार एकडम कमजोर बा । वहाँ आयोजना बैंक ओ मध्यकालीन खर्चके अवधारणासे कार्यरूप पैले नैहो । बजेट सीमा तथा मार्गदर्शनपाछे अइने नतिजामूलक सूचकके साथ कार्ययोजनामे क्रियाकलाप प्रविष्टि करे परठ । मन्त्रालय/भारी सीमा चाहटै खर्च करे नैसेकटै । अपनत्व लेना कार्यक्रम प्रस्ताव करना ज्ञानभण्डार ओ आत्मविश्वास नैडेखाइठ । बजेट छलफलके क्रममे अर्थ मन्त्रालय ओ आयोगसमक्ष दृष्टिकोणके साथ प्रस्तुत हुइ नैसेकि । कार्यान्वयनके क्रममे फेन यी स्थिति डेखाइठ । मन्त्रालय/सचिवालय अर्थ मन्त्रालय ओ योजना आयोगके नियन्त्रणसे थिचल फेन बा । अपनभिन्ने ज्ञानके आधार हुइलमे यी अवस्था रहना नैरहे । विधायन चरणमे प्रमुख भूमिका संसद्के रहठ । नेपालके बजेट कार्यकारी प्रकृतिके रहल ओरसे बजेट प्रस्तावमे संसदीय अनुमोदन किल खोजठ ताकि अपन डेहल स्वीकृतिके आधारमे संसद्/संसदीय समितिसे सरकारउप्पर दृष्टिगोचर करे सेके । कुछ वर्षसे पूर्वबजेट छलफलके प्रयाससे नीति प्राथमिकतामे संसदीयके धारणा समावेश करना सैद्धान्तिक थालनी हुइल बा । यी संक्षिप्त औपचारिकताके प्रक्रियाहे विस्तृत करना प्रयास गैल वर्षसे हुइलमे चालु वर्षसे पुनः विगतके अवस्थामे जैना मेरिक कानुन संशोधन हुइल बा । संसदीय प्रक्रियामे छलफलके क्रममे प्रस्तावके औचित्य, विगतके उपलब्धि ओ प्रस्तावके विवेचना, सरकारके क्षमताके विवेचना, बजेटके मान्य सिद्धान्त ओ प्रस्तावके मूल्यांकन कैके अनुमोदन करना कार्यान्वयनके क्रममे पारित बजेटके दृष्टिगोचर सक्रियता देखैना आवश्यक बा । मने संसदीय प्रक्रिया राजनीतिक औपचारिकतामे जैना ओ अपन चुनाव क्षेत्र केन्द्रित विनियोजनमे रहना करल बा । तेसर चरण कार्यान्वयन हो । संसदीय स्वीकृति पाइल वार्षिक कार्यक्रममे सम्बद्ध निकाय अप्पनी प्रस्तुत करल क्रियाकलाप कार्यान्वयन करटै । आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐनसे कार्यान्वयनके जिम्मेवार व्यक्तिके (बाँकी ३ पेजमा)

गाउँसे शहरसम संकलन ओ विक्रीवितरण

रेसुंगा, ३१ बैशाख । गल्मीके सत्यवती गाउँपालिका आर्थिक वर्ष २०७९/०८० मे दुध ओ मासुमे आत्मनिर्भर पालिका घोषणा करल रहे । सत्यवतिमे कृषि ओ पशुपालन करना छोटभारी कैके करिव एक हजार किसान बटै ।

अब्बे कृषि बजारीकरण वर्ष घोषणा करल बा । पहाडी जिल्लाके समृद्धिके प्रमुख आधार कृषि ओ पर्यटन हो । सत्यवति गाउँपालिका पर्यटनके क्षेत्रमे पुर्वाधार निर्माण करटि कृषि तथा पशुपालनके क्षेत्रमे उत्पादन ओ बजारीकरणमे उदाहरणीय काम करटि बा ।

गाउँपालिकासे उत्पादनमे सहयोग किल नैहोके कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन कैके बजारीकरणमे फेन सहजीकरण करल बा । यिहिनसे उत्पादक तथा उपभोक्ता खुसी हुइल बटै । गाउँपालिकाके १५ लाख ३१ हजार ओ संघीय सरकारके १९ लाख ३९ हजार कैके ३४ लाख ७० हजार रुपियाँके लागतमे १५ क्विन्टल



क्षमता कृषि एम्बुलेन्स खरिद कैके संचालन करल बा ।

यी एम्बुलेन्समे माइनस २५ डिग्री ओ प्लस २५ डिग्री सेल्सियससम तापक्रम कायम हुइना हुइल ओरसे किसानके उत्पादन सुरक्षित रूपमे बजारसम पुगना हुइल बा । किसान अपन सञ्चालन ओ व्यवस्थापन करल ओरसे बिचौलियाके समय अन्य हुइल सत्यवति गाउँपालिका-१ अस्लेवाके किसान ओम कुवर बटैलै ।

उहाँ गाउँपालिकासे बीउ, उपकरण, अनुदान, संकलन ओ कृषि एम्बुलेन्ससहित बजारीकरणमे करल सहयोगसे सब किसान उत्साहित हुइल बटैलै ।

किसानसे दुःख कैके उत्पादन करल कृषि तथा पशुजन्य उत्पादनसे मुख्य ओ बजार नैपैना अवस्थाके अन्य करल अप्ने सब मेरिक सहयोग करल सत्यवति गाउँपालिका अध्यक्ष टीकाराम

पाण्डेय बटैलै ।

उहाँ पालिकाभिन्ने उत्पादन हुइल कृषि तथा पशुजन्य उत्पादन स्थानीय बजार ओ पाल्पा वुटवल सहज ढंगसे नियात करना उद्देश्यसे कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन करल पाण्डेय जानकारी डेलै ।

एम्बुलेन्स संचालनके लाग पालिका स्तरीय थाप्ले सत्यवती कृषि बजार समिति ओ सब वडामे उपसमिति गठन करल बा । अस्टेक वडाके टोल टोलमे संकलन केन्द्र रहल गाउँपालिकाके कृषि शाखाके प्रमुख प्राविधिक उपकार भण्डारी जानकारी डेलै ।

कृषि एम्बुलेन्समे तरकारीसंगे मासु ओ दुध फेन ढुवानी करे सेक्ना भण्डारी बटैलै । थाप्ले सत्यवती कृषि बजार समितिमे गाउँपालिका भित्तरके सब कृषि सहकारी तथा समुह आवद्ध बटै ।

किसान मुख्यके प्रतिफल फेन अप्नी पैना ओ उत्पादनमामे आधारित अनुदान पैटि आइल बा । गाउँपालिकासे तरकारी, फलफूल, माछामासु, दुध ओ अण्डासे वार्षिक करिव १० करोड रुपियाँ बराबरके कृषि तथा पशुजन्य उत्पादन करटि आइल गाउँपालिकाके कृषि शाखा प्रमुख भण्डारी बटैलै ।

सत्यवती गाउँपालिका गैल वर्ष डेखैना वुटवलके हाटबजारके २८ नम्बर सटर भाडामे लेके पालिकामे उत्पादित कृषि तथा पशुजन्य उत्पादन विक्रीवितरण करटि आइल बा । भण्डारीके अनुसार आधेक वर्ष विक्री केन्द्रसे एक सय टन कृषि उपज विक्री हुइल बा ।

सब वडामे संकलित कृषि उपज वुटवल लैजैना व्यवस्था गाउँपालिका मिलाइल बा । अपन चुनावी घोषणा पत्रमे उल्लेख हुइल कृषि उत्पादनके बजार ग्यारेण्टी करना काम पुरा करटि आइल सत्यवति गाउँपालिका उपाध्यक्ष निरमाया तारामु बटैलै ।

सत्यवतिके उत्पादनके पहिल उपभोक्ता स्थानीयसे हुइल ढेर उत्पादन हुइल थोक तथा वुटवल रहल गाउँपालिकाके विक्रीकेन्द्रमे पठाइल तरामु बटैलै ।

स्थानीय तहके कर्मचारी संघर्षके कार्यक्रम जारी रख्ना



पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ बैशाख । स्थानीय सेवा ऐन नैआइसम संघर्षके कार्यक्रम जारी रहना अन्दोलनरत स्थानीय तहके कर्मचारीहुके बटैले बटै ।

स्थानीय तह कर्मचारी प्रदेश संघर्ष समितिसे बुधके रोज धनगढीमे पत्रकार सम्मेलन मार्फत आन्दोलनके कार्यक्रम जारी रहना बटाइल हुइल । संघर्ष समितिके संयोजक भलक दौलाल स्थानीय तहके कर्मचारीहुकनके सेवा शर्त सम्बन्धी ऐन जारी नैहुइसम साथे नियमावली ओ कार्यान्वयनके सुनिश्चितता नैहुइसम संघर्षके कार्यक्रम यथावत रहना बटैलै ।

कर्मचारी आन्दोलित हुइलपाछे सुदूरपश्चिम प्रदेशस्थित स्थानीय तहके कामकाज प्रभावित हुइल बावै ।

धनगढी उपमहानगरसे करल ५५३ जानेक स्वास्थ्य बिमा

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ बैशाख । धनगढी उपमहानगरपालिकासे ५५३ जानेक नागरिकके स्वास्थ्य बिमा करले बा । उपमहानगरके वार्षिक स्वीकृत कार्यक्रमअनुसार निर्माणाधीन ल्याण्डफिल क्षेत्र लगगेक ११५ परिवारके स्वास्थ्य बिमा करल उपमहानगर

जनैले बा ।

७ नम्बर वडा कार्यालयके सिफारिसमे उपमहानगरसे २७५ महिला २५८ पुरुष करके ५३३ जानेक स्वास्थ्य बिमा करल हो । उपमहानगरसे ४ लाख ५३ हजार ६ सय रकमके स्वास्थ्य बिमा करल जनाइल बा ।

भन्सार छलिके सामान नियन्त्रण

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, ३१ बैशाख । कैलाली जिल्लाके अलग अलग ठाउँसे भन्सार छलिके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो ।

धनगढी उपमहानगरपालिका-३ बडरा, शिशा पोष्ट ओ जोशीपुरमे गाउँपालिका-४ बाणी भोलुंगे पुल लगगेसे अवैध रूपमे भारतसे भन्सार छलि करके ल्यानल सामान नियन्त्रणमे लेहल हो ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालय कैलाली तथा मातहत कार्यालयसे खटल प्रहरी गस्ती टोली ६.१ लाख ५६ हजार २६० बराबरके टमान सामान कपडा, टप्स, सिडरा, किराना लगायतके सामान नियन्त्रणमे लेहल हो ।

बजेट चक्रके...

रूपमे मन्त्री, लेखा उत्तरदायी अधिकृत (सचिव) ओ जिम्मेवार व्यक्ति (खर्च पदाधिकारी) हे तोकल बा कलेसे अर्थ मन्त्रालय तथा योजना आयोगहे सहजकर्ता मानल बा । समयमे बजेट कार्यान्वयन करना खरिद योजना पहिलेसे तयारी, सावन पहिल हप्तासे खरिद व्यवस्थापनके विधि अवलम्बन, नगद व्यवस्थापन, कार्यसञ्चालन, कार्यसम्पादन सम्झौता, लगायतके कार्य करे परठ, जोन ढिला गतिमे हुइना करल बा । वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन कार्यान्वयन करना अब्बेक चुनौती हो ।

अन्तिम चरण मूल्यांकन बा जवाफदेहिता मापन करना चरण हो । यी चरणमे कार्यसम्पादन सूचक निर्धारण, नागरिक विवेचना ओ

डेढ महिनासे थन्कल एम्बुलेन्स

डोटी, ३१ बैशाख । दिपायल सिलगढी नगरपालिका-२ अन्तर्गत खातीवडा स्वास्थ्य चौकीसे सञ्चालित एम्बुलेन्स डेढ महिनासे थन्कल बावै । व्यवस्थापनमे लापबाँही ओ वडा कार्यालयके बेवास्तासे एम्बुलेन्स अलपत्र बनल स्थानीयके अरोप रहल बावै ।

सुप ०१-००१ भ ५३७ नम्बरके एम्बुलेन्स सुजड अस्पताल राजपुरमे करिव डेढ महिना यहीर थन्कल हो । वडामे रहल एम्बुलेन्स सेवा बन्द होके गम्भीर विरामीहे अस्पताल लैजैना सार्वजनिक तथा निजी सवारी साधन भाडामे लेहे परल स्थानीयके गुनासो रहल बावै ।

दिपायल सिलगढी-२ वडाध्यक्ष राजेन्द्र खड्का टायरके कारण डेढाके

छलफल, अनुगमन तथा मूल्यांकन, आवधिक समीक्षा, वार्षिक समीक्षा ओ मूल्यांकन ओ प्रतिवेदन सार्वजनिकीकरण कार्यकारिणी तहसे करजाइ कलेसे संवैधानिक निकायसे लेखा परीक्षण ओ प्रतिवेदनमार्फत संसदीय स्वीकृतिके परीक्षण करजाइठ । यी चरणमे योजना आयोग, अर्थ मन्त्रालय ओ राष्ट्र बैंकसे अग्रसरता देखाइ परठ । चार चार महिनामे करना समीक्षा औपचारिक ओ संक्षिप्त बा । विनियोजनके कम बाट किल समीक्षा करजाइठ, राजस्व नीति ओ आर्थिक सुधारके कार्यक्रममे अर्थ मन्त्रालय ओ नेपाल राष्ट्र बैंकसे करेपरना कामके समीक्षा नैकरजाइठ । साथे संसदीय परीक्षणके लाग महालेखा परीक्षकके संवैधानिक अधिकार रलेसे फेन नीति सामर्थ्य देखाइ सेकल नैहो ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौ र लगाऔ ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १७,३००/- अनिवार्य रुपमा कायम गरौ/गराऔ ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔ, लैगिक हिंसाको अत्य गरौ ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौ/नगराऔ ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौ व्यवसायजन्य रोग लानबाट बचौ ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौ ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔ ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

सुदूरपश्चिम प्रदेशको अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल

निसर्ग हस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

उपलब्ध विशेषज्ञ सेवाहरू...

जन्तुन विपुल सेवा कान्छा रोग सेवा	पुत्री तथा प्रसूती रोग सेवा	जन्तुन लेबोरेटरी (फिट, सुटु, आर्ती) सेवा
छाल जोड कुष्ठरोग तथा सेउदर सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	बालिको रोग र रिडिक्लेसरी सेवा
जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	तन्त्रोत्थ तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा
जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा
जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा
जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा	जन्तुन तथा बाल रोग सेवा

स्वास्थ्य सम्बन्धी कुनैपनि रोगको सफल उपचार तथा परामर्शको लागि सम्पर्क गर्नुहोला

HELLO 091-527000/01/02
EMERGENCY 9865680100
SUPPORT CALL 9804600745

हसनपुर, धनगढी-५, कैलाली, नेपाल
nisargahospitalnepal@gmail.com / nisargahospitalnepal

28 वर्ष
आकस्मिक सेवा

भूमि विधेयक संसदमे प्रस्तुत

हदबन्दी ढेरके जग्गामे घर बनाके बेचे पैना

नेपाल थारु संघ

कञ्चनपुरके पहिल समीक्षा

काठमाडौं, ३१ बैशाख । भूमि विधेयक प्रतिनिधि सभामे प्रस्तुत हुइल बा । प्रतिनिधि सभामे प्रस्तुत कैना आघे विधेयकमे विरोधके सूचना प्रस्तुत करल रहे । उ प्रस्ताव अस्वीकृत हुइलपाछे विधेयक प्रस्तुत करल हो ।

विरोधके सूचना नेपाल मजदुर किसान पार्टीके सांसद प्रेम सुवाल राखल रहित । उ क्रममे उहाँ भूमिके सही सदुपयोग हुईपना, जमिन जोड्डयासे पाइपना, हदबन्दी बाहेकके जग्गा स्वतः सरकारके हुइना कानूनी व्यवस्था आवश्यक रहल बटैले रहित ।

जवाफ डेटी भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारणमन्त्री बलराम अधिकारी २०२१ के ऐन कार्यान्वयनमे रहल बटैलै । समय अनुसार परिवर्तन कैना आवश्यक रहल बटैलै । हाउजिडसे हदबन्दीसे ढेरके जग्गा किने पैना ओ घर बनाके बेचबिखन करेपैना मन्त्री अधिकारी बटैलै ।

मन्त्री अधिकारीके जवाफपाछेछे सुवालसे अपन विरोधके सूचना फिता नैलेलै । ओकरपाछे बहुमतके आधारमे विरोधके सूचना प्रतिनिधि सभामे



अस्वीकृत करल । ओकरपाछे भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारणमन्त्री अधिकारी भूमि विधेयक प्रतिनिधि सभामे प्रस्तुत करल हुइत । मन्त्री अधिकारी यी विधेयक यिहे बैशाख २३ गते प्रतिनिधि सभामे दर्ता करल रहित । बुधके प्रतिनिधि सभामे प्रस्तुत हुइल रहे ।

यी आघे अध्यादेश आके परिवर्तन हुइल ओ अध्यादेशमार्फत करल नयाँ व्यवस्थाहे निरन्तरता देना करके सरकारसे विधेयक ल्याल हो ।

यी आघे सरकारसे भूमिसम्बन्धी कुछ नेपाल ऐन संशोधन अध्यादेश गैल २ माघमे ल्याल रहे । यी अध्यादेश ४

माघमे राजपत्रमे प्रकाशित हुइल रहे । मने, संसदसे आघे बहे नैसेकल रहे ।

सरकारसे संसद अधिवेशन नैरहल बेला अध्यादेश ल्याने सेकठ । अधिवेशन सुरु हुइल पहिल बैठकमे अध्यादेश प्रस्तुत करेपरठ । यैसिन व्यवस्था अनुसार हिउँदे अधिवेशनके पहिल दिन १८ माघ २०८१ मे यी अध्यादेश दुनु सभामे प्रस्तुत हुइल रहे । ओकरपाछे दुनु सदनसे स्वीकृत कराके सरकारसे अध्यादेश प्रतिस्थापन विधेयक ल्याने सेकठ । मने, सत्तारूढ दलके बीचमे यी अध्यादेशहे लेके विवाद हुइलपाछे सरकारसे आघे नैबहाइल ।

भूमि व्यवस्था, सहकारी तथा गरिबी निवारण मन्त्रालयके अनुसार

विगतमे अध्यादेश ल्यानेबेर परिवर्तन हुइल ओ नयाँ व्यवस्थाहे समेटके यी बार विधेयक ल्याल बा ।

विधेयकमे सरकारसे हदबन्दी छुटके जग्गा बेचे देना प्रस्तावसहितके प्रस्ताव बटै । मने, यम्ने सर्त लागू हुइही ।

विधेयकमे कहल बा, 'घर जग्गा व्यवसाय कैना अनुमति लेहल कम्पनीसे सूचित आदेशसे तोकल हदभितरके जग्गा प्रचलित कानूनबमोजिम जग्गा विकास करके घडेरी वा ओसिन घडेरीमे घर निर्माण करके बिक्री करे सेक्ना ।'

यैसिन प्रावधान ल्यानाके कारणमे सरकारसे घर जग्गा व्यवसाय कैना अनुमति लेहल कम्पनीसे सूचित आदेशसे तोकल हदभितरके जग्गा प्रचलित कानूनबमोजिम जग्गा खरिद करे सेक्ना मने बेचबिखन करे सेक्ना वा नैसेक्न कना सम्बन्धमे द्विविधा हुईना आवश्यक रहल कहिके प्रष्टीकरण देहल बा ।

प्रस्तावित विधेयकमे भूमिसम्बन्धी ऐन २०२१ के टमना दफा संशोधनके प्रस्ताव करल बा । प्रचलित ऐनके दफा १२ मे संशोधन करके हदबन्दी छुटके जग्गा बेचे देना प्रस्ताव करल हो ।



पहुरा समाचारदाता

कञ्चनपुर, ३१ बैशाख । नेपाली कांग्रेसके भातृ संगठन नेपाल थारु संघ कंचनपुरके पहिल समिक्षा बैठक सम्पन्न हुइल बा ।

नेपाल थारु संघ कञ्चनपुरके अध्यक्ष डा. फूलराम चौधरीके सभापतित्वमे ओ नेपाली काँग्रेस कञ्चनपुर जिल्लाके उप सभापति मिनबहादुर सिंहके प्रमुख आतिथ्यमे बैठक सम्पन्न हुइल हो ।

बेदकोट नगरपालिका वडा नं.७ स्थित पोखरी कटेजमे सम्पन्न हुइल संघके बैठकमे विशिष्ट अतिथि जिल्ला समन्वय समिति कञ्चनपुरके उपाध्यक्ष

रामकुमारी राना, कृष्णपुर नगरपालिकाके उपप्रमुख द्रोपती राना ओ नेपाली कांग्रेस सुदूरपश्चिम प्रदेश समिति सदस्य भोली राना रहल रहित ।

यिहे बैशाख ४ गते सम्पन्न हुइल नेपाल थारु संघ कञ्चनपुरके पहिल जिल्ला अधिवेशन पश्चात मंगरके सम्पन्न हुइल पहिल बैठकसे निर्वाचन क्षेत्र नं. १ के भीमसेन रानाहे उपाध्यक्षमे ओ निर्वाचन क्षेत्र नं. २ के दानसिंह डंगौराहे सचिव पदमे मनोनित समेत करले बा ।

ओस्टेक करके महाधिवेशन प्रतिनिधिमे हवलदार चौधरी, जगता राना, रामदास राना लगायत ७ जनहनहे मनोनित करल बा ।

महालेखा परिक्षकके ६२ औं प्रतिवेदन

आर्थिक वर्ष २०८०/०८१ के कुल बेरुजु ९१ अर्ब ५९ करोड ८८ लाख

काठमाडौं, ३१ बैशाख । महालेखा परीक्षक कार्यालयसे अपन वार्षिक प्रतिवेदन राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल समक्ष पेस करले बा ।

महालेखा परीक्षक तोयम रायासे बुधके शितल निवासमे वार्षिक प्रतिवेदन बुझाइल हुइत । प्रतिवेदन बुझैना क्रममे रायासे नेपालके संविधान धारा ४१ बमोजिम कार्यसम्पादन करके संविधानके धारा २९४ बमोजिम राष्ट्रपति समक्ष महालेखा परिक्षकके ६२ औं प्रतिवेदन पेस करल बटैलै । रायासे अन्तर्राष्ट्रिय असल अभ्यासके समेत ख्याल करके लेखापरीक्षण करल बटैलै । ५ हजार ७ सय ५९ ठो निकाय कार्यालयके लेखापरीक्षण करल बा । उ मध्ये ३ हजार ७ सय २ कार्यालयके विस्तृत लेखापरीक्षण करल रहे ।

यी अवधिमे कार्यालयके जनशक्ति ओ कानून बमोजिम लेखापरीक्षक नियुक्त करके ४३ ठो पूर्ण सरकारी स्वामित्व रहल, ४५ आर्थिक वर्षके लेखापरीक्षण सम्पन्न हुइल राया जानकारी डेलै ।

नेपालके संविधान ओ लेखापरीक्षणके अधिकारभितर रहिके ४२ ठो संगठित संस्थाके ४७ आर्थिक वर्षके लेखापरीक्षण सम्पन्न करल बटैलै । उहाँ यी वर्ष ११ विषयमे कार्यमूलक, १ विषयमे सूचना प्रविधि, १ विषय वातावरणीय, २ विषयके लेखापरीक्षण सम्पन्न करल बटैलै ।

रायासे प्रदेशके काम कारबाहीके सम्बन्धमे अलगअलग प्रतिवेदन तयार करल ओ यैसिन प्रतिवेदनसे प्रदेश

प्रमुखहुकनहे पेस करल जानकारी डेलै ।

उहाँ कहलै, 'लेखा परीक्षण सम्पन्न हुइलपाछे सम्बन्धित स्थानीय तहहे प्रतिवेदन जारी कैना चरणमे बा । वार्षिक प्रतिवेदनमे लेखा परीक्षण करल निकायके विवरण, बेरुजुके स्थिति, लेखापरीक्षण करेबेर देखल विवरणके सारांश, लेखा परीक्षण प्रतिवेदन कार्यान्वयनके स्थिति, भविष्यमे करेपना सुधार ओ कार्यालयके गतिविधिहे अलगअलग परिच्छेदमे राखल बा । सार्वजनिक निकायमे हुइल काम कारबाहीके बारेमे सरोकारवालाहे सुसूचित करैना वार्षिक प्रतिवेदनके सारांश तयार कैनाके साथे सार्वजनिक कैना बा ।'

यी वर्ष ५ हजार ७५९ कार्यालयके लेखापरीक्षण करेबेर ९४ खर्ब ६२ अर्ब ३६ करोडके लेखापरीक्षण करल बा । यी मध्ये सङ्घीय मन्त्रालय तथा निकायओर ३ हजार ९३ कार्यालयके ३१ खर्ब ६ अर्ब १६ करोड, प्रदेश तथा निकायओर १ हजार १ सय ६५ कार्यालयके ३ खर्ब ८ अर्ब ५६ करोड, स्थानीय तहओ ७ सय ६१ के ११ खर्ब १८ अर्ब ४० करोड, समिति ओ अन्य संस्थासे प्रदेशके समेत १ सय २५ करके ६ सय ९५ संस्थाके ५ खर्ब २२ अर्ब १३ करोड, संगठित संस्थाओर ४३ संस्थाके ४४ खर्ब ७ अर्ब ४ करोड रहल बा । आर्थिक वर्ष २०८०/८१ के बेरुजुके अवस्था प्रस्तुत करटी रायासे यी वर्ष लेखापरीक्षणसे कुल बेरुजु ९१ अर्ब ५९ करोड ८८ लाख कायम हुइल बा । उ मध्ये संघीय

सरकारके कार्यालयमध्ये ४७ अर्ब ७४ करोड ३० लाख, प्रदेश सरकारी कार्यालयके ४ अर्ब २० करोड, स्थानीय तहके २५ अर्ब ३२ करोड ४२ लाख, समिति ओ अन्य संस्थाके १४ अर्ब ३३ करोड ७ लाख बेरुजु रहल बा ।

उहाँ संविधानके धारा २९४ के उपधारा ३ बमोजिम प्रदेशके काम कारबाहीके सम्बन्धमे अलगअलग प्रतिवेदन तयार करल बटैलै ।

महालेखा परीक्षकके ६२ औं प्रतिवेदनमे अद्यावधि बेरुजुओर संघीय सरकारी कार्यालय, प्रदेश सरकारी कार्यालय, स्थानीय तहओर लेखापरीक्षणसे औंल्याइल अद्यावधि बेरुजु ७ खर्ब ३३ अर्ब १९ करोड देखल बा ।

यी मध्ये सङ्घीय सरकारी कार्यालयके ३ खर्ब ७५ अर्ब ४७ करोड, स्थानीय २ खर्ब ९ अर्ब २९ करोड, समिति ओ अन्य संस्थाके १ खर्ब १७ अर्ब ९७ करोड रहल बा । सङ्घीय तथा प्रदेश सरकारी कार्यालय, स्थानीय तह, समिति ओ अन्य संस्थाके बेरुजु अतिरिक्त कारबाही टुंगो लगाईपना रकम अर्थात लेखापरीक्षण बक्यौता, राजश्व बक्यौता, लेहेपना वैदेशिक अनुदान तथा ऋण समयमे टुंगो लगाईपना अद्यावधिक रकम ५ खर्ब ५१ अर्ब १ करोड देखल बा । बेरुजु सम्परीक्षण यी वर्ष २८ अर्ब २९ करोड ४० लाख परीक्षण करल बा । यी वर्षके लेखापरीक्षणसे कुल १४ अर्ब ६८ करोड ४१ लाख असुल हुइल जनाइल बा ।

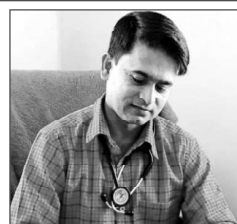
मनसुनजन्य विपद्बाट बच्ने उपाय

- ❖ आपतकालीन अवस्थामा चाहिने सामग्री सुरक्षित रूपमा भण्डारण गरौं,
- ❖ बाढीको सम्भावना भएको बेला सतर्क बनौं र सुरक्षित स्थानमा सरौं,
- ❖ पहिरो सम्भावित क्षेत्रमा सकेसम्म यात्रा नगरौं,
- ❖ घर बनाउँदा सुरक्षित स्थान, संरचना र प्रविधिको प्रयोग गरौं,
- ❖ आपतकालीन झोला (औषधि, पानी, टर्च, सञ्चारका साधनसहित) तयार राखौं,
- ❖ विपद् पूर्वतयारीसम्बन्धी तालिममा सहभागी बनौं,
- ❖ विपद्पछि भ्रम र डर नफैलाऔं, आधिकारिक सूचना मात्र अनुसरण गरौं,
- ❖ सामूहिक सहयोग, सजगता र तयारीले मात्र विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!



डा. संजयकुमार गुप्ता

एम.बि.बि.एस., एम.डि. (टि.यु.)

इन्टरनल मेडिसिन वरिष्ठ

कन्सल्टन्ट फिजिसियन (पेट,

छाती, मुटु, कलेजो, मधुमेह

(सुगर), प्रेसर, तथा थाईराइड

रोग विशेषज्ञ

एन.एम.सी. नं.-१०५६४

डाक्टरद्वारा दिइने स्वास्थ्य सेवाहरू

- मुटु दुखेको, मुटु भारी जस्तो भएको, मुटुको धडकन बढेको ।
- सास लिन गाह्रो हुने, छाती दुख्ने, रूघाखाकी लागेको, खकारबाट रगत देखिने, लामो समयदेखि दमको समस्या भएको ।
- पेट दुख्ने, कोखा दुख्ने, मुखबाट रगत बग्ने ।
- अमिलो पानी आउने, द्याउ-दयाउ आउने, उल्टी हुने, पेट फुलेर खान मन नलाग्ने ।
- पिसाब पोल्ने, रातो पिसाब आउने, कम पिसाब हुने, पिसाब बन्द हुने, राति धेरै पटक पिसाब हुने, खुट्टा सुनिने, पहेलो पिसाब हुने ।
- पेट फुल्ने, हात खुट्टा सुनिने, पेटमा पानी जम्ने, जण्डिस हुने, खाना नरुच्ने, दम हुने ।
- धेरै मोटो हुने, निन्द्रा धेरै लाग्ने, मुटुको धडकन बढ्ने, आँखा वाहिर आउने, मान्छे एकदम पातलो हुने ।
- टाउको दुख्ने, चक्कर लाग्ने, हिँड्दाखेरि लडिबुडी हुने, निन्द्रा नलाग्ने, हिँड्दा खेरि दम हुने ।
- धेरै तिखा लाग्ने, धेरै पिसाब हुने, धेरै खान मन लाग्ने, हातखुट्टा भ्रम-भ्रम गर्ने ।
- सुगर, प्रेसर, थाईराइड रोगको उपचार तथा परामर्श ।
- ज्वरो सम्बन्धी सम्पूर्ण रोगको उपचार ।
- शरीरमा रगत कम हुने, अल्छी लाग्ने, शरीर सुनिने, थाक्ने ।
- बाथ रोग सम्बन्धी उपचार तथा परामर्श ।

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरू : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन । २) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाडडोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठगुठी आउने, शरीरका विभिन्न भागमा गाँठगुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अपरेसन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अपरेसन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुछाँ पनु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा भ्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडको अपरेसन आदि सेवा ।



कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली

फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेल्मेट र पार्ट्सहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाइन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९